Question Paper Code : 8233

B.A.M.S. (First Prof.) Examination, 2018

(Old Course)

SANSKRIT

Time : Three Hours] **[Maximum Marks : 100**

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. माहेश्वर सूत्रों को लिखिए, उनकी संख्या लिखिए एवं संज्ञा प्रकरण में सूत्रों की संख्या कितनी है, लिखिए। [5]

2. निम्नलिखित सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए। [5]

   (क) अदर्शनं लोपः

   (ख) सुप्तिङन्तं पदम्

   (ग) एचोऽयवायावः

   (घ) इन्द्रे च

3. किन्हीं पाँच की सूत्रपूर्वक सिद्धि कीजिए : [5]

   (क) पावकः

   (ख) गणेशः

http://www.lucknowstudy.com

(ग) गव्यूतिः

(घ) प्रेजते

(ङ) प्रश्नः

(च) विष्णुस्त्राता

4. लिखित रूपों का उल्लेख कीजिए : [5]

(क) अस्मद् शब्द षष्ठी विभक्ति

(ख) भानु शब्द तृतीय विभक्ति

(ग) हर शब्द पञ्चमी विभक्ति

(घ) रमा शब्द सप्तमी विभक्ति

(ङ) युष्मद् शब्द चतुर्थी विभक्ति

5. निम्न के धातुरूप लिखिए : [5]

(क) पठ् धातु लोट् लकार

(ख) हस् धातु लङ् लकार

(ग) हृ धातु लट् लकार

(घ) भू धातु विधिलिङ् लकार

http://www.lucknowstudy.com

(ङ) भृञ् धातु लृट लकार

6. निम्नलिखित का सविग्रह समास स्पष्ट कीजिए : [5]

(क) पीताम्बरः

(ख) हरित्रातः

7. निम्न वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए : [10]

(क) बालक पढ़ता है।

(ख) हिरन दौड़ता है

(ग) मैं विद्यालय जाऊँगा।

(घ) राम श्याम के साथ पढ़ता है।

(ङ) गुरु छात्रों को पढ़ाते हैं।

8. निम्न वाक्यों को शुद्ध कीजिए : [10]

(क) छात्राः पठतः

(ख) गणेशं नमः

(ग) राजा ब्राह्मणं दानं ददाति

(घ) विद्यालयस्य परितः पुष्पाणि सन्ति

http://www.lucknowstudy.com

(ङ) ऋते ज्ञानं न मुक्तिः

9. अधोलिखित श्लोकों की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए : [10]

(क) विकारो धातुवैषम्यं साम्यं प्रकृतिरूच्यते।
सुखसंज्ञकमारोग्यं विकारो दुःखमेव च।।

(ख) निदाने माधवः श्रेष्ठः, सूत्रस्थाने तु वाग्भटः।
शारीरे सुश्रुतः श्रेष्ठश्चरकस्तु चिकित्सिते।।

(ग) कायवाग्बुद्धि विषया येमलाः समुपस्थिताः।
चिकित्सालक्षणाध्यात्म शास्त्रैस्तेषां विशुद्धयः।।

(घ) अभ्दिर्गात्राणि शुद्धयन्ति, मनः सत्येन शुद्धयति।
विद्यातपोभ्यां भूतात्मा, बुद्धिर्ज्ञानेन शुद्धयति।।

10. ससन्दर्भ अर्थ लिखिए : [10]

(क) अपरीक्ष्य न कर्त्तव्यं कर्त्तव्यं सुपरीक्षितम्।
पश्चाद्भवति संतापो ब्राह्मण्या नकुले यथा।।

(ख) उपर्युक्त श्लोक से सम्बन्धित कहानी स्पष्टतया लिखिए।

11. निम्नलिखित का आशय स्पष्ट कीजिए : [20]

(क) निद्रानाशोऽनिलात् पित्तान्मनस्तापात् क्षयादपि।
सम्भवत्यभिघाताच्च प्रत्यनीकैः प्रशाम्यति।।

(ख) निद्रानाशेऽभ्यङ्गयोगा मूर्ध्नि तैलनिषेवणम्।
गात्रस्योद्वर्त्तनं चैव हितं संवाहनानि च।।

12. उपर्युक्त श्लोकों में रेखांकित पदों की व्याकरणात्मक टिप्पणी कीजिए। [10]

----- x -----

http://www.lucknowstudy.com